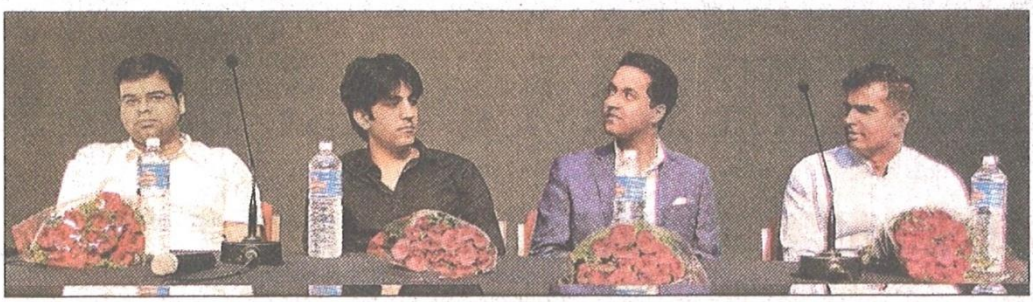

Experts at the i-5 entrepreneurial conclave at IIM-Indore on Saturday. SHANKAR MOURYA/HT PHOTO

Conclave to find best start-up idea takes off at IIM-Indore

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

INDORE: An i-5 entrepreneurial conclave to find the best start-up idea began at IIM-Indore on Saturday. The winner of the two-day event will be awarded ₹15 lakh in addition to a trip to Silicon Valley in the United States.

A total of 15 start-ups, including three from Indore, were selected from over 300 applications to be featured at the event, and the winner will be decided by a panel of industrial experts from the field of entertainment, education, healthcare and technology. "The country is experiencing a boom in all sectors. The start-up culture is seeping in. It is therefore important that the talent is rightly gauged and worked upon," said Rishikesh Krishnan, director IIM-Indore.

Industry experts in attendance said education and healthcare are the sectors to keep an eye on in the coming future.

Rishi Kapal, chief executive (program innovations), EDUGILD, said, "Nothing is impossible these days. All one needs is the right motivation and database, and the company is good to go. Before beginning with a journey as an entrepreneur, one needs to be a risk-taker." Kris Gopalakrishnan, co-founder of Infosys, delivered a lecture on 'Lessons on entrepreneurship', shared his journey to success with the audience. "When we started with Infosys in 1981, it was just seven of us. Today, we are counted amongst the biggest companies of the world. All this was never easy, but it was our passion to create our dream that got (kept us going)."

expertspeaks

RONNIE SCREWVALA, UTV group founder

'Youngsters in India want to play it safe'

Ronnie Screwvala, UTV group founder, an entrepreneur and philanthropist, said, "The young India is growing in sectors where there is no policy restraint. The telecom industry and IT sector are areas where there are no hurdles at all. Youngsters can expand themselves manifold times, but many of them don't wish to take the risk."

Stating that the mindset of youngsters needs to be channelised in the right direction, Screwvala said, "When I founded UTV 25 years back, I had no godfather backing me up. I had a plan and was passionate about it."

He said self-confidence and a belief in ones' idea was all that is required to pitch for any amount of funding. Screwvala also took the opportunity to share details about his new venture 'Upgrad'. "A number of youngsters these days wish to take a break and then pursue their masters. These students usually work in their gap year. It is in this (gap) year that we wish to bring them world-class education," he said.

Panelists claim m-commerce sector has untapped potential

Two-day i5 Summit Kicks Off At IIM-Indore

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Aiming at fostering the spirit of entrepreneurship in Central India, the two-day i5 summit by students of Indian Institute of Management and Indian Institute of Technology, Indore got underway on Saturday.

Addressing the students, keynote speaker and CEO, Zensar and former chairman NASSCOM, Ganesh Natarajan said, "Don't limit yourself by your own vision. The world is your canvas. Seize the opportunity."

He added, "Tech entrepreneurship in India adds 800 new start-ups every year. India is at world number four in terms of number of tech start-ups. Entrepreneurship is not a one man show. A good team goes a long way towards realizing greatest goals."

> Tech entrepreneurship in India adds 800 new start-ups every year. India is at world number four in terms of number of tech start-ups

Later, a panel discussion on m-commerce versus e-commerce was also held. Panelists including co-founder, Taxi For Sure, Raghunandan G, Neeraj Singhal of Uber, MD and CEO, Foodpanda.in, Rohit Chaddha and Gagan Arora of Print venue and Random Algo concluded that Indian m-commerce sector has great untapped potential and mobile phones hold the key to the future.

Co-founder, Infosys, Kris Gopalkrishnan and co-founder of Insightfully, Chirag Kulkarni and founder of UTV, Ronnie Screwvala delivered lectures during the event.

The event aims to provide support to young entrepreneurs by connecting them with investors and mentors to make their enterprise a success. A host of events ranging from panel discussions, workshops to an international venture plan competition, Venture–I are being organized during i5-summit.

Venture–I is an unique platform wherein entrepreneurs can raise Rs 15 lakh of investment selling a minority stake (i.e. 5%) of their start-up with a 10-minute pitch to the investors. Winners of the Venture-I will be sent to Silicon Valley for a week-long programme in NASSCOM 10000 Start-Ups.

Times of India, August 23, 2015 Page-2

कम्पनी बंद करना नाक़ामी की पहचान नहीं

आईआईएम में आई-5 समिट के पहले दिन आंत्रप्रेन्योरशिप एवेन्यूज़ पर बोले एक्सपर्ट्स

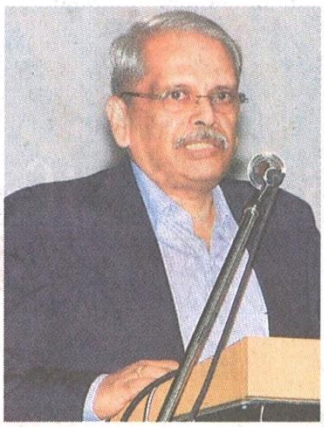

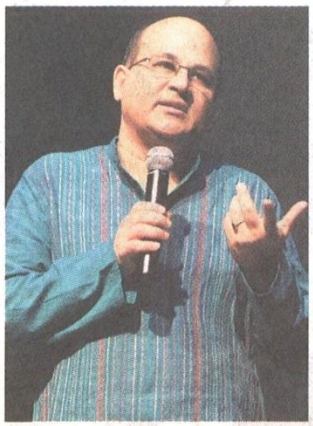

EXPERTS' VIEW

सिटी रिपोर्टर • 'हिंदुस्तान में लोग अपना बिजनेस बंद करने को नाकामी से जोड़ते हैं। कई तो बड़े गर्व से बताते हैं कि हमारा परिवार सदियों से एक ही बिजनेस करता आ रहा है...लेकिन सिलिकॉन सिटी में जो आंत्रप्रेन्योर पुरानी कम्पनी बंदकर जल्द ही नई कम्पनी शुरू करता है उसे सक्सेफुल माना जाता है।'

यंग आंत्रप्रेन्योर्स को मोटिवेट करने वाली यह बात कही जेंसर टेक्नालॉजीस के वाइस चेयरमेन और सीईओ गणेश नटराजन ने। वे आईआईटी और आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित आई-5 समिट के दौरान बतौर की-नोट स्पीकर बोल रहे थे। पोस्ट लंच सेशन में इन्फोसिस के को-फाउंडर और एक्स सीईओ क्रिस गोपालकृष्णन ने भी लेक्चर डिलीवर किया।

नए स्टार्टअप हैं तो दुनिया बख्श नहीं देगी

गणेश नटराजन ने नए स्टार्टअप के लिए कहा- आप नया स्टार्टअप भी हैं तो प्रोडक्ट हो या सर्विस, क्वालिटी से कभी समझौता न करें। दुनिया आपको इस लिए नहीं बख्श देगी कि आप एक ताजा स्टार्टअप हैं। कभी भी अपनी कम्पनी को अंडरफंड न करें। अपनी कम्पनी पर प्रॉपर तरीके से फोकस करने के लिए यह जरूरी है। प्रॉफिट बनाने में जल्दबाजी न करें। एक और महत्वपूर्ण चीज़ है टीम। बिजनेस सक्सेस के लिए जरूरी है कि कम से कम तीन लोग ऐसे हों जिनके साथ आप कम्फर्टेबल हों क्योंकि अकेला आदमी दुनिया नहीं बदल सकता।

हर कम्पनी शुरुआत में छोटी ही होती है

इन्फोसिस के को-फाउंडर क्रिस गोपालकृष्णन ने कहा- शुरुआती दौर में हर कम्पनी छोटी होती है। इन्फोसिस, टीसीएस जैसी बड़ी कम्पनियां भी इस दौर से गुजर चुकी हैं इसलिए हमेशा सिर्फ बड़ा करने की नहीं सोचें। समय के साथ वह बड़ा हो सकता है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में भी स्टार्टअप की अपार सम्भावनाएं हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स को देखते हुए आप नेक्स्ट जनरेशन का टीवी, फ्रिज या पंखा भी डेवलप कर सकते हैं। मैनेजमेंट स्टूडेंट्स के बारे में उन्होंने कहा कि अमेरिका में हुए एक सर्वे के मुताबिक 97 फीसदी स्टार्टअप इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से आते हैं जबकि केवल तीन फीसदी मैनेजमेंट स्टूडेंट्स ही इस तरफ अट्रैक्ट होते हैं।

वर्कशॉप और पैनल डिस्कशन भी हुआ

आई-5 समिट में एक्सपर्ट्स के की-नोट स्पीच के साथ अलग-अलग वर्कशॉप्स और पैनल डिस्कशन भी आयोजित की गई। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े रॉनी स्क्रूवाला ने भी लेक्चर डिलीवर किया। आईआईएम के डायरेक्टर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने आई-5 समिट की शुरुआत में भारत के डेवलपमेंट में आंत्रप्रेन्योरशिप का इम्पॉर्टेंस बताया।

Dainik Bhaskar (City Bhaskar) August 23, 2015 Page-1

एजुकेशन बेस्ड स्टार्ट अप के लिए एक्सलरेटर

SEMINAR

सिटी रिपोर्टर • एजुकेशन, लर्निंग और डेवलपमेंट फील्ड में काम करने वाले स्टार्टअप्स को एक्सलरेट करने के लिए एक कम्पनी ने आई-5 समिट में प्रेजेंटेशन दिया। ऋषि कपाल ने बताया- इस तरह के स्टार्टअप्स के लिए हम सीड मनी के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर भी प्रोवाइड कर रहे हैं। ये सुविधा शुरुआती कुछ समय के लिए होगी। इसके अलावा इंडस्ट्री के टॉप और एक्सपर्ट लोगों को हमने मेंटर की तरह जोड़ा है जो इन स्टार्टअप को प्रोडक्ट डेवलपमेंट के साथ स्ट्रेटजी बनाने और ऑपरेशन में मदद करेंगे। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऑफिसर ऋषि कपाल के अनुसार एजुकेशन और हेल्थ सेक्टर में सबसे ज्यादा सम्भावनाएं हैं इसलिए एड्यूगिल्ड में हम एजुकेशनल स्टार्टअप्स को एक्सलरेट कर रहे हैं।

ऋषि कपाल

Dainik Bhaskar (City Bhaskar) August 23, 2015 Page -4

'क़ामयाबी से ज्यादा चर्चा नाकामयाबी की होना चाहिए'

प्रोड्यूसर और आंत्रप्रेन्योर रोनी स्क्रूवाला ने कहा-

INTERACTION

सिटी रिपोर्टर • मेरी किताब नाकामयाबी पर फोकस्ड है। हम भारतीय नाकामयाबी पर बात करने से बचते हैं। इससे डरते हैं। जबकि कामयाबी से ज़्यादा नाकामयाबी पर बात की जाना चाहिए। क्योंकि मेरा यक़ीन है कि नाकामयाबी ज़्यादा सीखाती है और इसी से नई राहें भी खुलती हैं। यह बात प्रोड्यूसर और आंत्रप्रेन्योर रोनी स्क्रूवाला ने शनिवार को एक होटल में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। वे अपनी किताब ड्रीम विद योर आईज़ ओपन किताब के प्रमोशन के लिए इंदौर आए थे।

नए सोच के साथ आ रहे हैं नए आंत्रप्रेन्योर्स

उन्होंने कहा कि आज समय की ज़रूरत है कि ज़्यादा से ज़्यादा आंत्रप्रेन्योर सीन पर आएं। मेरी यह किताब यंग आंत्रप्रेन्योर्स के लिए ही है। आज हमारे देश को हज़ारों में नहीं, लाखों में आंत्रप्रेन्योर्स चाहिए। अब तक फेमिली बिज़नेस का ट्रेंड था। लेकिन अब यंग आंत्रप्रेन्योर्स फेमिली बिज़नेस से हटकर नए सोच के साथ, पूरे आत्मविश्वास के साथ आंत्रप्रेन्योर्स बन रहे हैं। अब सीन तेज़ी से बदल रहा है। -शेष पेज 03 पर

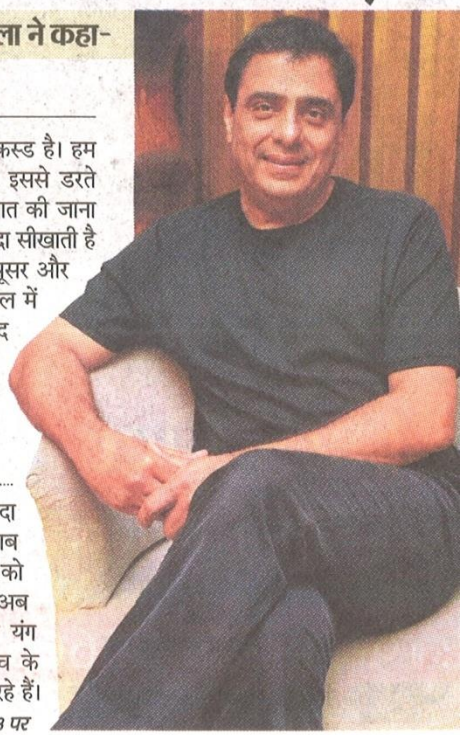

Dainik Bhaskar (City Bhaskar) August 23, 2015 Page - 1

पेज 1 के शेष...

जहां हैं वहां से शुरू कीजिए

आप यह सोचकर काम शुरू करेंगे कि आपको कोई गॉडफादर मिलेगा तो यह संभव नहीं। किसी को गॉडफादर नहीं मिलता। कामयाबी के लिए और नया काम शुरू करने के लिए सबसे ज़्यादा ज़रूरी है कि युवाओं में इच्छाशक्ति होना चाहिए। लक्ष्य बनाकर उसे पूरा करने का ज़ज्बा होना चाहिए। तब आप हर विपरित परिस्थितियों में अपनी राह बना लेंगे। बहाने मत बनाए और टॉप थ्री सिटीज़ में जाने के बजाय जहां हैं वहां से काम की शुरुआत पूरी ऊर्जा से कीजिए। मैंने भी केबल टीवी के व्यवसाय से शुरुआत की थी।

वुमन आंत्रप्रेन्योर्स आएं आगे

अपना काम शुरू करने के बाद आप हज़ार बार नाकामयाब होंगे। इससे डरिए मत, निराश मत होइए। राह से इसी से निकलेगी। वुमन आंत्रप्रेन्योर्स आज भी बहुत कम हैं। वे जब काम शुरू करती हैं तो फैमिली कहती है क्या करोगी। शादी होगी, बच्चे होंगे, आगे नहीं कर पाओगी। मैं समझता हूं कि यह सीन बदल रहा है। वुमन आंत्रप्रेन्योर्स धीरे धीरे आगे आ रही हैं। अपनी इस किताब में मैंने वुमन आंत्रप्रेन्योर्स पर भी फोकस किया है। यदि यह किताब युवा की इंस्पीरेशन बन सके, उन्हें मोटिवेट कर सके तो यह मेरी कामयाबी होगी। इस किताब के लिए मुझे एपीजे अब्दुल कलाम से इंस्पीरेशन मिली है।

युवाओं से आज बेहतर अवसर हैं

मैं इस बात से पूरी तरह से असहमत हूं कि ब्रेन ड्रेन हो रहा है। मैं सोचता हूं कि आज का युवा यदि विदेश जा भी रहा है अस्थायी तौर पर जा रहा है। वह इसलिए जा रहा है कि एक्सपीरिएंस लेकर वहां से वह फिर अपने देश लौट सके। वह यह बात अच्छी तरह से जानता है कि आज हमारे देश में ही सबसे ज्यादा अवसर हैं। हमारे देश का कल और ज़्याता बेहतर होगा। युवा आज पहले से ज़्यादा आशावादी हो गए हैं। अब फेमिली भी उन्हें सपोर्ट कर रही है क्योंकि वह जानती है कि यह कुछ कर दिखाएगा।

Dainik Bhaskar (City Bhaskar) August 23, 2015
Page -1 & 3

खुली आंखों से सपने देखो और उन्हें पूरा करने में जुट जाओ

रायटर, प्रोड्यूसर, थिएटर कलाकार और यूटीवी ग्रुप के फाउंडर रोनी स्क्रूवाला ने कहा

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

हर किसी की लाइफ में ए,बी और सी प्लान चलता है, लेकिन रियल लाइफ में प्लान बी ही यूज होता है, जो हमें जिंदगी की हकीकत से रूबरू कराता है। हर किसी का सक्सेस प्लान के साथ सर्वाइवल प्लान भी होना चाहिए, जो आपको नई दिशा और नया एक्सपीरियंस देता है।

यह बात रायटर, प्रोड्यूसर, थिएटर कलाकार और यूटीवी ग्रुप के फाउंडर रोनी स्क्रूवाला ने कही। वे शनिवार को अपनी बुक 'ड्रीम विद योर आइज ओपन' को प्रमोट करने शहर आए थे। उन्होंने बताया मैंने अपनी कॅरियर यात्रा को लेकर यह बुक लिखी है, जिसमें केबल टीवी, टूथब्रश के उत्पादन, थिएटर से लेकर मीडिया एवं एंटरटेनमेंट के बारे में लिखा है, जिसके माध्यम से देश में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। मेरे लिए यह बुक नाकामियां दूर करने, महत्वाकांक्षा बढ़ाने और बढ़ने के सपने देखने से संबंधित है।

अधिक एनर्जी से काम करें

उन्होंने बताया मैंने यह बुक नौ महीने में तैयार हुई और मैंने अपनी बुक को 'ड्रीम विद योर आइज ओपन' टाइटल इसलिए दिया है, क्योंकि यह युवाओं को संदेश देती है कि सपने देखो पर खुली आंखों से और उन्हें पूरा करो। सफलता और असफलता दोनों ही हर किसी की लाइफ का हिस्सा होती है, पर असफलता से हमें और अधिक एनर्जी के साथ उस काम में जुट जाना चाहिए।

मैं 8 आइज का फंडा लेकर आया हूं

मैनजमेंट के स्टूडेंट्स को 5 आइज के बारे बताया जाता है, पर मैं एंटरप्रेन्योर को 8 आइज के बारे में बताता हूं, जिसमें कम्युनिकेशन और कॉन्फिडेंस, कल्चर, क्लेरिटी, कनविक्शन, क्यूरेसिटी, चेंज, क्लेबोरेट और च्वाइस शामिल है।

Dabang City, August 23, 2015 Page-9

सपने वहीं पूरे होते है, जो खुली आंखों से देखे जाए। ख्वाबों को पूरा करने की कहानी को लेकर रॉनी स्क्रूवाला शनिवार को शहर पहुंचे। उनका मानना है कि ड्रीम तो सभी के होते है, लेकिन पूरे वहीं होते है, जो उन्हें पूरा करने का हौंसला रखते है। 'ड्रीम विद युअर आईज ओपन' बुक में कुछ ऐसे ही हार से जीत में तब्दील हुई कहानियों से संजोया है, जिससे ये वास्तव में प्रेरणात्मक बन सके। अपनी इंदौर विजिट के दौरान रोनी ने अपनी बुक और जीवन के पन्नों पर की चर्चा...

खुली आंखों से देखे से ख्वाब...

रोनी स्क्रूवाला
इंटरव्यू
फाउंडर यू-टीवी ग्रुप

यंग रिपोर्टर ◆ इंदौर

रॉनी स्क्रूवाला का मानना है कि बतौर इंटरप्रिन्योर स्वयं को स्टेबलिस करना आसान नहीं होता है। स्वंय की पूंजी लगातार एक सफल उद्यमी बनने में कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। यह एक चैलेंज होता है, जिसे हम पूरा करने में पूरा दम लगा देते है। वह कहते हैं ऐसा होना भी चाहिए। हमेशा हम जीत की कहानियों को बुक्स में पड़ते है। मैंने इसमें फैल्योर की कहानी को प्रस्तुत किया है, जो मोटीवेशन बन सके।

- **बदलाव के लिए तैयार रहे हमेशा**

उन्होंने कहा कि हमें हमेशा बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए। वजह यह सिनारियों हमेशा बदल रहा है। हम किसी काम को करने का विचार बनाते हैं उसके पहले ही उसे बदलाव के साथ प्रस्तुत कर दिया जाता है। इसलिए स्वयं को हमेशा बदलाव के लिए तैयार रखें।

- **थिएटर ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका**

जब मैं स्वयं को बतौर इंटरप्रिन्योर बनाने की कोशिशों में जुटा था, जब थिएटर ही मेरी लाइफ की बेसिक नीड्स को पूरा कर रहा था। बतौर एक्टर मुझे काफी कुछ सीखने और ऑन स्क्रिन करने को मिला। इस मीडियम के माध्यम से मैं आगे बढ़ सका। आज भी 75 फीसद लोग मुझे बतौर एक्टर ही जानते हैं।

आईआईएम इंदौर में शुरू हुई 'आई-5' समिट: देशभर के दिग्गज इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने बताईं बिजनेस की बारीकियां

टीम वर्क से ही बन सकेंगे सफल एंटरप्रेन्योर

इंदौर। मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी से जुड़े युवाओं को एक मंच पर लाकर एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को आईआईएम और आईआईटी इंदौर द्वारा 'आई-5' समिट का आगाज किया गया। एंटरप्रेन्योर्स के इस महाकुंभ में इंफोसिस के को-फाउंडर क्रिस गोपालकृष्णन, यूटीवी के फाउंडर सीईओ रॉनी स्क्रुवाला, टेक एंटरप्रेन्योरशिप एक्सपर्ट डॉ. गणेश नटराजन सहित कई बड़े स्टार्टअप को शुरू करने युवा उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

दो दिनी इस महाकुंभ के पहले दिन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने 'बिजनेस शुरू करने के तरीके, फंड जुटाने, डिजिटल मीडिया मार्केटिंग, ई-कॉमर्स वर्सेस एम-कॉमर्स' जैसे विषयों पर एक्सपर्ट टॉक और पैनल डिस्कशन के जरिए अपनी राय रखी।

आई-5 समिट की शुरुआत में आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कहा कि आज हर युवा ई-कॉमर्स सेक्टर में ही एंटरप्रेन्योरशिप करना चाहता है, जबकि भारत जैसे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता जैसे कई क्षेत्रों में एंटरप्रेन्योरशिप की अपार संभावनाएं छुपी है, युवा इस ओर ध्यान दें।

आइडियाज को सही अंजाम देना जरूरी

इंफोसिस के को-फाउंडर के. गोपालकृष्णन ने बताया कि अच्छे आइडियाज तो सभी के पास होते हैं, उन्हें सही तरीके से अंजाम देना जरूरी है। इसलिए बिना डरे आगे बढ़ें और अपने सपनों को सच कर दिखाएं। डिजिटल मीडिया मार्केटिंग विषय पर इंडस्ट्री एक्सपर्ट श्रीरमन थीअंगराजन ने कहा कि हम अपने आसपास की सूचनाओं पर ध्यान देते हुए उनका उपयोग करना सीख जाएं तो हम सफल व्यापार की नींव आसानी से रख सकते हैं।

भारतीय टेक एंटरप्रेन्योरशिप विश्व में चौथी

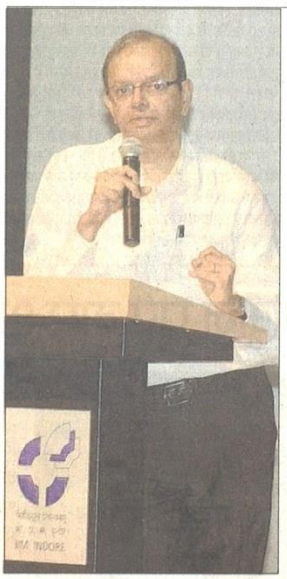

टेक एंटरप्रेन्योरशिप एक्सपर्ट और जेनसार टेक्नोलॉजी के सीईओ डॉ. गणेश नटराजन ने कहा कि हमारे देश में हर साल लगभग 800 टेक स्टार्टअप शुरू होते हैं। विश्व में टेक एंटरप्रेन्योरशिप के मामले में भारत चौथे स्थान पर है। कई बार हम अपनी ही सोच से खुद के दायरे तय कर लेते हैं, ऐसा कभी मत कीजिए क्योंकि संभवत: आप अपनी सोच से भी ज्यादा बड़ा स्टार्टअप कर सकते हैं। नए वेंचर को शुरू करते वक्त टीम बिल्डिंग पर भी ध्यान दें। आप अकेले एंटरप्रेन्योर नहीं बन सकते, यह टीमवर्क है।

आठ 'सी' पर करें फोकस

यूटीवी के फाउंडर रॉनी स्क्रूवाला ने युवाओं को एंटरप्रेन्योरशिप के गुर सिखाते हुए कहा कि सफल बिजनेस के लिए इन आठ 'सी' पर फोकस करें। कम्यूनिकेशन एंड कॉन्फिडेंस, कल्चर, क्लियरिटी, कंवीक्शन, क्यूरोसिटी, चेंज, कोलॉब्रेट और चॉइसेस।

बिजनेस एक्सपर्ट्स ने दिए ये खास टिप्स

- अच्छे आइडियाज को तुरंत लिख लें।
- आइडियाज जुटाएं और एक्जीक्यूट करें।
- बिजनेस के लिए बेहतरीन टीम सबसे बड़ी जरूरत है।
- हमेशा अपनी सोच से अधिक फंड इकट्ठा करें, ताकि बुरे वक्त में वह पैसा काम आए।
- जब जिस बिजनेस में स्कोप दिखे उसे शुरू करें, स्कोप खत्म होते ही नए वेंचर की ओर बढ़ जाएं। बिजनेस शुरू करने की ही तरह बंद करने से भी न डरें।

बिजनेसमैन रॉनी स्क्रूवाला के सक्सेस मंत्र

इच्छा, लक्ष्य, आत्मविश्वास से विरोधी बन जाते हैं अपने

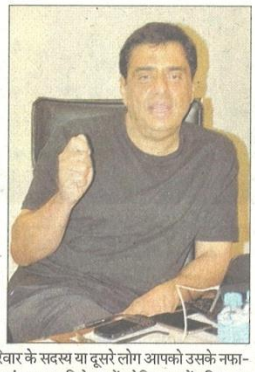

इंदौर। जब मैंने एंटरप्रेन्योर बनने निर्णय लिया तो इस क्षेत्र में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैंने अपने आत्मविश्वास और प्लानिंग से बिजनेस की शुरुआत की। जब काम शुरू किया, तो एक से दूसरी कड़ी जुड़ती गई और मैं आगे बढ़ता गया। हो सकता है कि जब आप एंटरप्रेन्योर बनने की सोचें तो परिवार के सदस्य या दूसरे लोग आपको उसके नफा-नुकसान के बारे में बताएं, आपका विरोध करें। लेकिन मन में यदि इच्छा, लक्ष्य, आत्मविश्वास हो तो विरोधी भी धीरे-धीरे आपके साथ हो जाते हैं। यह बात यूटीवी के फाउंडर सीईओ रॉनी स्क्रूवाला ने मीडिया से चर्चा में कही। उन्होंने आईआईएम इंदौर में सेमिनार में भाग लेने के साथ शहर में किताब 'ड्रीम विद यॉर आइज ओपन' का प्रमोशन भी किया।

रॉनी ने कहा कि भारत में फेमिली बिजनेस को ही तवज्जो देने वाले परिवारों में भी अब बच्चों को उनकी पसंद का बिजनेस करने की इजाजत मिल रही है। मेरा मानना है कि हरेक के जीवन में हर तीन माह में एक टर्निंग पॉइंट आता है चाहे वह बिजनेस हो या जॉब, पर यह उन्हीं को नजर आता है जो आत्मविश्वास के से लक्ष्य बनाकर काम करते हैं। सफलता के लिए लीक से हटकर काम करना जरूरी है।

सर्वाइवल और प्लान हो साथ-साथ

एक वक्त कंपनी घाटे में जा रही थी। मैंने अपनी टीम को विश्वस में लेकर अपनी आर्थिक स्थिति और समस्या बताई। टीम ने भी मेरा साथ दिया। तीन माह तक टीम ने न केवल कम पैसों में काम किया बल्कि तीन गुना प्रोडक्शन भी किया। इसके अलावा मैंने सबसे बेकार स्थिति के बारे में दो दिन तक सोचा फिर उसे ही आधार बनाकर उस समस्या से निकलने का प्लान बनाया और उस बिजनेस में सफल भी हुआ। दरअसल सर्वाइवल और प्लानिंग दोनों को ध्यान में रखकर बिजनेस करें।

Naidunia (City Live) , August 23, 2015 Page-24

आई-5 समिट में शामिल होंगे टॉप कॉरपोरेट्स

आईआईटी और आईआईएम की ओर से एंटरप्रिन्योरशिप को प्रमोट करने के लिए आज से होगा आई-5 समिट का आयोजन

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

इंदौर शहर के टॉप मोस्ट इंस्टीट्यूट में शुमार आईआईएम और आईआईटी मिलकर शहर में आई-5 समिट का आयोजन कर रहे है। शनिवार से शुरू होने जा रहे इस समिट में नेशनल और इंटरनेशनल कॉरपोरेट्स शामिल होंगे। इसके साथ ही स्टार्टअप्स सीईओ, एंटरप्रिन्योरशिप प्रमोटर और देशभर के स्टूडेंट्स अपने यूनिक आइडिया के साथ इस समिट का हिस्सा बनेंगे।

समिट में इन्फोसिस के को-फाउंडर कृष गोपालकृष्णन, यूटीवी यूटीवी मोशन पिक्चर्स के फाउंडर रोनी स्क्रूवाला और जेनसार टेक्नोलॉजी के डॉ. गणेश नटराजन बतौर की-नोट स्पीकर शामिल होंगे। इसके अलावा फ्री चार्ज के फाउंडर कुणाल शाह, कल्चर मशीन के सीईओ समीर पीतलवाला, टैक्सी फॉर श्योर के को फाउंडर रघुनंदन जी, उबेर इंडिया के हेड ऑफ एक्सपेंशन नरीज सिंघल. फड पांडा के को-फाउंडर रोहित चड्ढा, विप्रो के सीईटी गणपति नाथन, अमेजन वेब सर्विस के कृष्णन के, आईबीएम के कंट्री लीड राधेश कानूमुरे जैसे जाने-माने कॉरपोरेट्स बतौर एक्सपर्ट शामिल होंगे, जो स्टूडेंट्स के साथ अपने एक्सपीरियंस शेयर करेंगे, साथ ही उन्हें मैनेजमेंट मंत्रा भी देंगे।

रोनी स्क्रूवाला

गणेश नटराजन

कृष गोपालकृष्णन

एक्सपर्ट लेंगे वर्कशॉप

एक्सपर्ट के सेशन के अलावा कई वर्कशॉप का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें चिराग कुलकर्णी स्टूडेंट्स को हैकिंग के बारे में जानकारी देंगे। वहीं अजित खुराना फंड रेजिंग फॉर स्टार्टअप्स के बारे में बताएंगे। इसके साथ ही श्रीरामन थाइगाराजन डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट एंड मार्केटिंग के टॉपिक पर वर्कशॉप लेंगे। वर्कशॉप में बिजनेस मॉडल कैनवास और एप्लीकेशन डवलपमेंट के बारे में भी डिस्कस किया जाएगा।

बेस्ट आइडिया को मिलेगी फंडिंग

22 और 23 अगस्त को आईआईएम इंदौर में होने वाले इस दो दिवसीय इवेंट के जरिए यूनिक आइडिया के साथ बिजनेस स्टार्ट करने की चाह रखने वाले स्टडेंटस को अपने आइडिया को इम्पलीमेंट करने के लिए फंड प्रोवाइड किया जाएगा। आइडिया को सिलेक्ट करने के लिए डिफरेंट कॉम्पीटिशन होंगे, जिसमें स्टूडेंट्स को प्रजेंटेशन व डिफरेंट एक्टीविटी से आइडिया और उसके इम्पलीमेंटेशन के लिए जरूरी फंड की जानकारी देना होगी।

Patrika, August 22, 2015, Page-13 (Patrika Plus)